The Spoken Word

by

WILLIAM MARRION BRANHAM

"यीशु मसीह परमेश्वर है"

JESUS CHRIST IS GOD

अब यह प्रकाशन है ; यीशु मसीह परमेश्वर है। पुराने नियम का यहोवा ही नये नियम का यीशु है। आप चाहे कितना भी प्रयत्न करे परन्तु आप यह सिद्ध नहीं कर सकते कि तीन परमेशवर हैं। परन्तु पवित्रात्मा के द्वारा यह प्रकाशन मिलता है जिससे आप यह सच्चाई समझ सकते है कि वह एक है। पुराने नियम का यहोवा नये नियम का यीशु है इसको आप प्रकाशन के द्वारा ही देख सकते है। शैतान ने कलिसियाओं में घुस कर लोगों को इस सत्य के प्रति अन्धा कर दिया है। और जब वह इस विषय में अन्धे न हुये तब तक इस रोम कि कलीसिया ने प्रभु यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा देना न रोक।

मैं इस बात को स्वीकार करता हूँ कि यह पवित्रात्मा द्वारा दिया गया ,एक वास्तविक प्रकाशन है जिससे आप परमेश्वरत्व की सच्चाई को इन दिनों में देख सकते है जबकि हम ऐसे समय में रह रहे है जब वचन को काफी दूषित किया गया है। परन्तु विजयी और बढ़ने वाली कलीसिया प्रकाशन के ऊपर ही बनी है इसलिये हम परसमेश्वर से आशा कर सकते है कि वह हम पर सत्य को प्रकट करे। जो भी हो सही में , आपको पानी के बपतिस्मे के प्रकाशन कि आवश्कता नहीं है। यह तो वहाँ पर है ही और आप कि ओर ध्यान से देख रहा है। एक मिनट के लिये सोचे कि क्या प्रेरितो के लिये यह सभंव था

कि प्रभु कि सीधी आज्ञा से फिर कर वह पिता पुत्र और पवित्रात्म के नाम से बपतिस्मा ना दे कर जान बुझ कर आज्ञा को तोड़ते ? वे जानते थे कि नाम क्या है। और पूरे पवित्र शास्त्र में· उन्होंने कहीं भी प्रभु यीशु मसीह के नाम को छोड़ किसी और प्रकार से बपतिस्मा नहीं दिया। साधारण समझ भी यह बता देगी कि प्रेरितो के काम कि पुस्तक कलीसिया के कार्य है। यदि उन्होंने इस प्रकार से बपतिस्मा दिया है तो बपतिस्मा देने कि यही विधि है। अब यदि आप यह सोचते है कि यह तो बड़ा कठिन है तो फिर आप इस विषय में क्या सोचते है ? जो कोई भी प्रभु यीशु के नाम में बपतिस्मा पाये हुये नहीं था उसके फिर से बपतिस्मा लेना पड़ा था।

प्ररेतो के काम १९: १-६ '' और ऐसा हुआ कि अपुल्लोस कुरिन्थुस में था। तो पौलुस ऊपर के सारे देश से होकर इफिसुस में आया और कई चेलो को देख कर उसने उन से कहा ; क्या तुमने विश्वास करते समय पवित्र आत्मा पाया ? उन्होंने उस से कहा , हमने तो पवित्र आत्मा कि चर्चा भी नहीं सुनी। उसने उनसे कहा ; तो फिर तुम ने किस का बपतिस्मा लिया ? उन्होंने कहा ; यहुन्ना का बपतिस्मा। पौलुस ने कहा ; यहुन्ना ने यह कहकर मन फिराव का बपतिस्मा दिया ; कि जो मेरे बाद आने वाला है उस पर अर्थात यीशु पर विश्वास करना। यह सुनकर उन्होंने प्रभु यीशु के नाम का बपतिस्मा लिया। और जब पौलुस ने उन पर हाथ रखे। तो उन पर पवित्र आत्मा उतरा, और वे भिन्न भाषा बोलने और भविष्यद्वाणी करने लगे। '' ठीक यही बात थी इफिसुस के इन भले लोगों ने जब मसीह के आगमन के विषय में सुना जिसको यहुन्ना ने प्रचार किया था तो उन्होंने यीशु की राह तकते हुये पापों के प्रायश्चित का बपतिस्म लिया था कि यीशु पर विश्वास करे। परन्तु अब समय था कि मुड़कर यीशु को देखे और पापों की क्षमा के लिये बपतिस्मा ले। यह समय था कि पवित्र आत्मा प्राप्त करें। और जब उन्होंने प्रभु यीशु के नाम से बपतिस्मा लिया और पौलुस ने उन पर हाथ रखे तो पवित्र आत्मा उन पर उतरा।

वे इफिसुस के प्यारे, अच्छे लोग थे और यदि किसी को भी अपनी सुरक्षा अनुभव करने का अधिकार है तो उन्होंन वैसा किया। देखिये वे कहाँ तक आ गये थे। वे मसीह के आने को स्वीकार कर रहे थे। वे उसके लिये तैयार थे। परन्तु क्या आप नहीं देख रहे कि इतना होने पर भी वह उसे ना पा सके वह आया और आ कर भी चला गया। उनके लिये आवश्यक था कि वह प्रभु यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लें। उन्हें आवश्यकता थी कि पवित्र आत्मा से भर जाये।

यदि आपने प्रभु यीशु मसीह के नाम का बपतिस्मा लिया है तो परमेश्वर आपको अपनी आत्मा से भर देगा। यह वह वचन है जो प्ररितो १९:६ में हमने पढा और यह प्रेरितो २:३८ को पूरा करता है "प्रायश्चित करो, तुम में से हर एक अपने पापों की क्षमा के लिये प्रभु यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे " देखिये पौलुस ने भी पवित्र आत्मा से प्रेरित होकर वही कहा जो पतरस ने कहा और जो कहा गया वह बदला नहीं जा सकता। यह पिन्तेकुस्त से और अन्तिम चुने हुये व्यक्ति के बपतिस्मे तक एक सा ही रहना चाहिये। गलतियो १:८ " परन्तु यदि हम या स्वर्ग से कोई दूत भी उस सुसमाचार को छोड़ जो हमने तुम को सुनाया कोई और ससुमाचार तुम्हें सुनाये तो स्रापित हो "

आप में से कुछ वननैस वाले लोग गलत प्रकार से बपतिस्मा देते है। आप पुनर्जीवन के लिये बपतिस्मा देते है जैसे मानो पानी में डूबने के व्दारा आपका छुटकारा है। पुनर्जीवन पानी के व्दारा नहीं होता। यह तो आत्मा का कार्य है। वह व्यक्ति जिसने पवित्र आत्मा में होकर यह आज्ञा दी है " प्रायश्ति करो, तुम में से हर एक प्रभु यीशु के नाम में बपतिस्मा ले " उसने यहाँ यह नहीं कहा था कि पानी के व्दारा पुनर्जीवन ले। उसने कहा "यह तो केवल आपका परमेश्वर की ओर अच्छे विवेक का प्रमाण है " बस इतना ही पहला पतरस ३:२१ " और उसी पानी का

दुष्टान्त भी, अर्थात बपतिस्मा यीशु मसीह के जी उठने के द्धारा अब तुम्हे बचाता है (उस से शरीर के मैल को दूर करने का अर्थ नहीं है । परन्तु शुद्ध विवेक से परमेश्वर के वश में हो जाने का अर्थ है) '' मैं इसका विश्वास करता हूँ ।

यदि किसी का कोई गलत विचार हो तो इतिहास पानी के बपतिस्मे को प्रमाणित करता है जो कि किसी और नाम में नहीं केवल प्रभु यीशु मसीह के नाम में है । मैं आपको यह परामर्श देना चाहता हूँ कि आप स्वंय इतिहास पढ कर मालूम कर ले । नीचे दिये गये बपतिस्में के रिकार्ड जो कि रोम में १०० ई . में दिये गये थे सत्य है और यह दिसम्बर ५,१९५५ की टाईम पत्रिका में प्रकाशित हुआ था । ''डीकन ने अपना हाथ उठाया और पबलिस डायसियस बपतिस्मा देने वाले स्थान के दरवाजे से अन्दर आया और मरकुस वास्का जो कि लकडी बेचने वाला था बपंतिस्मा लेने वाले तालाब में कमर तक डूबा खड़ा हुआ है जैसे ही पबलिस पानी हिलाते हुए तालाब में उसके पास आकर खड़ा होता है, तो वह मुस्कराता है । क्रेडिस ? उसने धार्मिक मत (अकीदा) के विषय में पूछा पबलिस ने उत्तर में कहा ''मैं विश्वास करता हूँ कि मेरा उद्धार यीशु के द्धारा है, जो मसीह है , जो कि पेन्तुस पलातुस के राज्य में क्रूस पर चढाया गया । मैं उसके साथ मरता हूँ ताकि उसके साथ अनन्त जीवन प्राप्त करू '' तब उसने मजबूत हाथों का सहारा अनुभव किया; उसने अपने आप को तालाब मे पीछे गिरने दिया और मरकुस की आवाज को अपने कानों में सुना -- मैं तुझे प्रभु यीशु के नाम में बपतिस्मा देता हूँ -और ठंडे पानी ने उसको ऊपर से ढाँप लिया था । जब तक कि सत्य नहीं खो गया था (और अन्त समय के युग तक वापस नहीं आ गया) नीसियन शताब्दी के अन्त तक उन लोगों ने प्रभु यीशु मसीह के नाम में बपतिस्में दिये परन्तु अब यह फिर वापस आ गया है । जब आत्मा ही इसका प्रकाशित कर रही है तो शैतान इसे दबा नहीं सकता।

जी हाँ यदि तीन परमेश्वर होते तब तो आप आराम से पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा से बपतिस्मा दे सकते थे । परन्तु यहुन्ना को

प्रकाशन दिया गया कि केवल एक ही परमेश्वर है और उसका नाम प्रभु यीशु मसीह है। और आप केवल एक ही परमेश्वर के नाम में बपतिस्मा लेना है। इसी लिये पतरस ने पिन्तेकुस्त पर लोगों को इसी तरह बपतिस्मा दिया। उसको तो प्रकाशन के अनुसार ही सत्य पर रहना था " अब इस्रायल का सारा घराना निश्चय जान ले कि परमेश्वर ने उसी मसीह को जिसको तुमने क्रूस पर चढ़ाया प्रभु और मसीह दोंनों ठहराया " और यही प्रभु यीशु मसीह है।

यदि यीशु , प्रभु और मसीह दोंनों है तो वह (यीशु) सिवाये इसके कि पिता पुत्र और पवित्र आत्मा वही है और कुछ नहीं हो सकता जो कि शरीर में प्रगट हुआ। वह तीन व्यक्तियों में प्रगट हुआ परमेश्वर नहीं है जैसे कि "धन्य त्रिएकता " हैं। परन्तु एक परमेश्वर ,एक व्यक्ति ,तीन विशेष उपाधियों के साथ तीन कार्य रूपों में तीन उपाधियों में प्रगट हुआ। एक बार फिर से सुनिये। " वही यीशु जिसे प्रभु और मसीह दोंनों ठहराया " प्रभु (पिता) और मसीह (पवित्र आत्मा) यीशु हैं क्योंकि वह (यीशु) दोंनों ही है (वही प्रभु और मसीह हैं)।

यदि हमें इससे परमेश्वरत्व का प्रकाशन नहीं मिल पा रहा है तो कुछ नहीं हो पायेगा। प्रभु कोई दूसरा नहीं , मसीह कोई दूसरा और नहीं यह यीशु ही है प्रभु यीशु मसीह , एक परमेश्वर । फिलिपुस ने एक दिन यीशु से कहा हमें पिता को ही दिखा दे हमारे लिये यही बहुत है। यीशु ने उससे कहा ," क्या मैं इतने दिनों से तुम्हारे साथ नहीं और क्या तुम मुझे नहीं जानते ? जिसने मुझे देखा उसने पिता को देखा। तो फिर तू क्यों कहता है कि हमें पिता को दिखा ? " मैं और पिता एक है एक बार जब मैनें इसको एक स्त्री को बताया तो वह "श्री ब्रन्हम एक क्षण रुकिये , क्या , आप और आपकी पत्नी एक है । मैनैं कहा ," नहीं , इस तरह से नहीं ।" वह बोली " मैं समझी नहीं आप फिर बतायें ?"

`इसलिये मैनैं उस स्त्री से कहा " क्या आप मुझे देखती है ?"

वह बोली "जी हाँ "

मैनें कहा "क्या आप मेरी पत्नी को देखती है" ?

वह बाली " नहीं "

मैंने कहा यह एकता जो उसने कही है उससे भिन्न प्रकार की है क्योंकि उसने कहा जब तुम मुझे देखते हो तो तुम पिता को देखते हो ।

गीत में यह लिखा हुआ है कि " भविष्यद्वक्ता ने कहा सांझ के समय उजियाला होगा

सांझ के समय में उजियाला होगा

महिमा का मार्ग आप अवश्य पायेगे

आज, पानी के मार्ग से ही उजियाला है

यीशु के अनमोल नाम में दफन हो जाओ

बूढ़े जवान सब अपने पापों से प्रायश्चित करो

पवित्र आत्मा अवश्य अन्दर आयेगा

सांझ का उजियाला आ गया है

यह सत्य है कि परमेश्वर और मसीह एक है ।

बहुत समय नहीं हुआ कि मैं एक यहुदी गुरू से बात कर रहा था उसने मुझ से कहा कि तुम अन्य जाति परमेश्वर को तीन टुकड़ों में काट कर उसे एक यहुदी को नहीं दे सकते हम इससे अधिक जानते है । मैंने उससे कहा गुरूजन यही तो है कि हम परमेश्वर को तीन भाग में नहीं काटते है । तुम भविष्यद्वक्ताओं का विश्वास करतें हो या नहीं ?

उसने कहा " बिल्कुल मैं करता हूँ "

"क्या तुम यशायाह ९:६ पर विश्वास करते हो ?"

"जी हाँ "

भविश्यद्धक्ता किस के विषय में बोल रहा है ?

" मसीहा के विषय में "।

मैनें कहा, "मसीह का परमेश्वर से क्या सम्बन्ध होगा " ?

उसने कहा," वह स्वंय परमेश्वर होगा "

मैनें कहा " यही सत्य है " आमीन

आप परमेश्वर को तीन व्यक्तियों या तीन भागों में नहीं बाँट सकते। आप यहुदी को यह नहीं सिखा सकते कि एक पिता है और एक पुत्र हैं और एक पवित्र आत्मा है। वह आपको तुरन्त बता देगा कि यह विचार कहाँ से आया है। एक यहूदी जानता है कि यह धार्मिका मत निसियन सभा में स्थापित किया गया था। कोई आश्चर्य नहीं है कि वह मूर्तिपूजकों की तरह हमारा भी तिरस्कार करते है

हम परमेश्वर के लिये कहते है कि वह बदल नहीं सकता यहूदी भी यही विश्वास करते है। परन्तु गिरजों ने उस एक ना बदलने वाले परमेश्वर को एक से तीन में बदल दिया हैं। परन्तु सांझ की लहरों में उजियाला वापस आ रहा है। यह कितना आश्चर्य जनक है कि यह सत्य ऐसे समय पर आया है जब इस्रायल अपने फिलिस्तीन देश को वापस जा रहे है। परमेश्वर और मसीह एक है। यह यीशु ; प्रभु.और मसीह दोनों है।

यहुन्ना के पास प्रकाशन था और यीशु ही वह प्रकाशन था और उसने अपने को ही यहाँ पवित्र शास्त्र में दिखाया :-" मैं हूँ जो था जो है और आने वाला है , सर्वशक्तिमान आमीन "

यदि आप प्रकाशन नहीं पा सक रहे , तो आप इसके लिये परमेश्वर की ओर देखे, उसे खोजे। केवल यही एक मार्ग है कि आप उसे पा

सकते है। प्रकाशन परमेश्वर के पास से ही आना चाहिये। यह कभी मनुष्य के द्वारा, प्रकृतिक योग्यता से नहीं आता परन्तु आत्मिक योग्यता से आता है। आप पवित्र शास्त्र को रट भी सकते है यधपि यह अच्छी बात है परन्तु इससे आप को प्रकाश्न प्राप्त नहीं होगा। यह प्रकाशन तो परमेश्वर कि ओर से होता है। वचन में वह यह कहता हैं कि बिना पवित्र आत्मा के कोई यीशु ही मसीह है यह नहीं कह सकता। आपको पवित्र आत्मा लेना ही होगा और केवल तब ही पवित्र आत्मा आपको यह प्रकाशन देगा कि यीशु ही मसीह है - परमेश्वर है। अभिषिक्त जन हैं।

(सात कलीसियायी कालों की व्याख्या)
वायस ओफ गाड रिकार्डिंगस
पोस्ट बोक्स १५०

एस. डेनियल सम्पत कुमार
डू। नंबर: 147, थिरुनीलाई कॉलोनी, विचूर (पोस्ट),
चेन्नई -600103

S.DANIEL SAMPATH KUMAR
No. 147, Thirunilai colony ,
vichoor post , chennai - 600 103
E-Mail : sdanielsampathkumar@gmail.com
Website : danielendtimebooksministry.org
Phone No : 99419 74213 , 96001 71260